गेल (इंडिया) लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम – महारत्न कंपनी)
GAIL (India) Limited
(A Government of India Undertaking - A Maharatna Company)

गेल भवन,
16 भीकाएजी कामा प्लेस
नई दिल्ली-110066, इंडिया
GAIL BHAWAN,
16 BHIKAIJI CAMA PLACE
NEW DELHI-110066, INDIA
फोन/PHONE : +91 11 26182955
फैक्स/FAX : +91 11 26185941
ई–मेल/E-mail : info@gail.co.in

सं.: न दि/गेल/सेक्ट./2020 09.01.2020

1. लिस्टिंग विभाग नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड एक्सचेंज प्लाजा, 5वीं मंजिल, प्लॉट सं. सी/1, जी ब्लॉक, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व) मुंबई-400 051	2. लिस्टिंग विभाग, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड फ्लोर 1, फिरोज जीजीभॉय टॉवर्स, दलाल स्ट्रीट, मुंबई-400001

प्रिय महोदय,

"केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उत्तर पूर्व प्राकृतिक गैस पाइपलाइन ग्रिड हेतु रु.9,265 करोड़ के 60% पूंजी अनुदान का अनुमोदन किया" से संबंधित प्रेस विज्ञप्ति की प्रति संलग्न है।

उपर्युक्त आपकी जानकारी और रिकॉर्ड हेतु है।

सधन्यवाद,

भवदीय,

(ए.के. झा)
कंपनी सचिव
संलग्नक : उपरोक्तानुसार

प्रति :

ड्यूश बैंक ए जी, फिलिअले मुंबई
टीएसएस एण्ड ग्लोबल इक्विटी सर्विसेस
द कैपिटल, 14वीं मंजिल,
सी-70, जी ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स,
मुंबई-400051

ध्यानाकर्षण-सुश्री अपर्णा सालुंके

गेल (इंडिया) लिमिटेड

प्रेस विज्ञप्ति

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उत्तर पूर्व प्राकृतिक गैस पाइपलाइन ग्रिड हेतु रु.9,265 करोड़ के 60% पूंजी अनुदान का अनुमोदन किया

नई दिल्ली, जनवरी 8, 2020: उत्तर पूर्व भारत में प्राकृतिक गैस के विकास को बढ़ावा देते हुए, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने आज इन्द्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल) को परियोजना के लिए रु.9,265 करोड़ की अनुमानित लागत के 60% का विजिबिलिटी गैप फंडिंग / पूंजी अनुदान की स्वीकृति प्रदान कर दी।

नॉर्थ ईस्ट गैस ग्रिड परियोजना को पाँच सीपीएसई (गेल, आईओसीएल, ओएनजीसी, ओआईएल और एनआरएल) की संयुक्त उद्यम कंपनी आईजीजीएल द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। योजना अनुसार पाइपलाइन की कुल लंबाई 1,656 किमी है और इसे रु.9,265 करोड़ (निर्माण के दौरान ब्याज सहित) की अनुमानित लागत पर बनाया जाएगा। यह पूर्वोत्तर क्षेत्र के आठ राज्यों अर्थात् अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा को कवर करेगा।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय इस परियोजना की प्रमुख गतिविधियों की पूर्णता की पहचान करेगा और परियोजना के पूंजी अनुदान को जारी करने के लिए उससे लिंक करेगा।

परियोजना कार्यान्वयन की प्रभावी निगरानी हेतु पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, व्यय विभाग, उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और उर्वरक विभाग से अधिकारियों की एक समिति बनाई जाएगी, जो समय-समय पर परियोजना के कार्यान्वयन में प्रगति की समीक्षा करेगी और इसके निष्पादन में आए किसी भी मुद्दे के समाधान के लिए कार्य करेगी।

आईजीजीएल उत्तर पूर्व में प्राकृतिक गैस की उपलब्धता को बढ़ाएगा और स्वच्छ ईंधन के नेतृत्व वाली अर्थव्यवस्था की स्थापना के लिए उद्योगों, घरेलू उपभोक्ताओं और परिवहन के प्रयोजन हेतु प्राकृतिक गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।

नॉर्थ ईस्ट गैस ग्रिड गेल की बरौनी - गुवाहाटी पाइपलाइन, जो 'प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा' नाम से प्रसिद्ध जगदीशपुर-हल्दिया एवं बोकारो-धामरा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना का भाग है, से प्राकृतिक गैस की आपूर्ति प्राप्त करेगा।

आईजीजीएल को पूंजी अनुदान की मंजूरी देने के महत्वपूर्ण निर्णय के लिए सरकार का आभार व्यक्त करते हुए, गेल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. आशुतोष कर्नाटक ने कहा कि यह उत्तर पूर्व भारत में गैस आधारित उद्योगों को बढ़ावा देगा । उन्होंने कहा कि गेल ने पहले ही एक ऑनलाइन पोर्टल चालू कर दिया है, जिसके माध्यम से थर्ड पार्टियां आसानी से गेल की पाइपलाइनों के अंतर्गत प्राकृतिक गैस संचरण सेवाओं के लिए कॉमन कैरियर क्षमता बुक कर सकती हैं। डॉ. कर्नाटक ने कहा कि 2,000 से अधिक उपभोक्ताओं ने पहले ही इस सेवा का प्रयोग किया है और एक बार इस क्षेत्र में प्राकृतिक गैस ग्रिड विकसित होने से पूर्वोत्तर के उद्योगपति भी लाभान्वित होंगे।